प्रथमेश स्मृति

अन्तर्राष्ट्रीय पुष्टिमार्गीय वैष्णव परिषद्
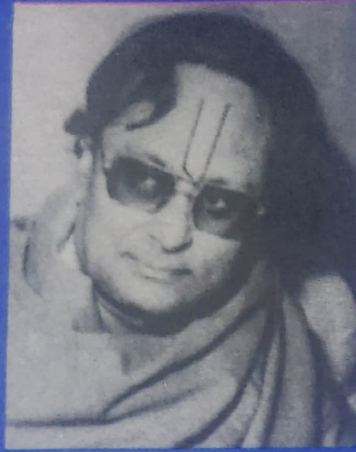
जगद्गुरु महाप्रभु
वल्लभाचार्य के वंशज,
वल्लभ सम्प्रदाय के
क्रांतिकारी आचार्य,
श्रेष्ठ में श्रेष्ठ,
प्रतिष्ठा में पवित्र,
अपने आत्मजयी जीवन,
आत्म परीक्षित प्रभा,
देवोमय तेज तथा
पुष्टिर्मय भावना
के अग्रदूत बनकर
प्रभु से विछिन्न,
तिमिरावृत्त जीवों को
शरण लेते हुए, उन्हें
स्नेह एवं समर्पण के सूत्र
में बांधकर, उनके मानस में
व्याप्त कलुष को प्रक्षालित कर
अपने विःसृत विचार,
वाणी एवं दर्शन से समस्त
पुष्टि जगत् को प्रकाशित किया.

प्रथमेश स्मृति

पू. पा. गो. श्री रणछोड़ाचार्यजी 'प्रथमेश' दीक्षित सोमयाजी
प्रथम गृहाधिपति
की
पावन स्मृति में विनम्र श्रद्धांजलि

●

संरक्षक
पू. पा. गो. श्री विट्ठलनाथजी (लालमणिजी)

●

सम्पादक मण्डल
पू. पा. गो. वल्लभरायजी दीक्षित
डॉ. गजानन शर्मा
श्री प्रद्युम्न शास्त्री
श्री निरंजन शास्त्री
पं. द्वारकाप्रसादजी पाटोदिया
प्रा. घनश्यामदास मुखिया

●

संयोजन - संपादन
डॉ. गजानन शर्मा

●

प्रबंध संपादन
श्री चन्द्रहास दलाल

●

प्रकाशक
अन्तर्राष्ट्रीय पुष्टिमार्गीय वैष्णव परिषद्
जी -२, सीताराम बिल्डिंग, पल्टन रोड, बम्बई - ४०० ००१

युग-निर्माता को कोटि-कोटि वन्दन

'प्रथमेश' यह पावन नाम सुनते ही हजारों लोगों के मन में श्रद्धा का ज्वार उमड़ आता है. 'प्रथमेश' नाम के साथ जुड़ा है एक विराट् व्यक्तित्व, जिसने हजारों दैवी जीवों को आनन्द के निधि से मिलने की रसमयी राह दिखाई, जिसने दलितों-पीड़ितों-उपेक्षितों में आत्मविश्वास जगाया और अपना उद्धार आप करने की क्षमता प्रदान की, जिसने उदासीन वैष्णव जगत् में जागरण का शंखनाद कर सुदृढ़ संगठन का जीवन-मंत्र फूँका. प्रथमेश तो बस प्रथमेश ही थे - अल्हड़, मस्तमौला, अनूठे, निराले, एकदम विलक्षण. वे गंभीर चिन्तक थे, सिद्धहस्त लेखक थे, रससिद्ध कवि थे, गीत-संगीत-सागर थे, पीयूषपाणि चिकित्सक थे, वरेण्य धर्माचार्य थे, कठोर अनुशासन प्रिय सेनापति थे और सहृदय महामानव थे — वे क्या नहीं थे? वे उस सबका पुंजीभूत साकार विग्रह थे, जो व्यक्ति को समष्टि का आराध्य बना देता है, इतना होने पर भी वे एकदम सरल, सहज सुलभ और सबके अपने थे. भव्यता से भास्वर, महिमा से महान् परम वन्दनीय प्रथमेश को कोटि-कोटि वन्दन.

पुष्टिमार्गीय वैष्णव परिषद् के तो प्रथमेश प्राण ही थे. सर्वस्व थे. आपके मार्गदर्शन में परिषद् ने वल्लभीय जीवन-दृष्टि के आधार पर पुष्टिमार्गीय जीवन-प्रणाली को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया और समाज में ब्रह्मवाद पर आधृत शुद्ध एकता लाने का व्रत लिया. सम्पूर्ण विश्व को सेव्य का विराट् स्वरूप मानकर उसकी निःस्वार्थ, निष्काम और अहेतुकी सेवा करने का संकल्प लिया.

प्रथमेश महान् स्वप्नद्रष्टा थे, कुशल शिल्पी थे, समर्थ सृष्टा थे, वे प्रेरक गतिमान नायक थे. उनका अनुसरण और अनुगमन उनकी गति से कर

पाना सामान्य कार्यकार्ताओं के लिए संभव नहीं था, उनके विराट् लक्ष्यों को सीमित साधनों से प्राप्त कर पाना असंभव था अत: प्रथमेश सदैव प्रगति और उपलब्धि से असंतुष्ट रहे. वे माटी के पात्रों में अमृत भरना चाहते थे पर पात्रों से वह रिस जाता था. बारम्बार मिलने वाली असफलताओं के बावजूद परम उदार प्रथमेश छोटे से छोटे कार्यकर्ता को वात्सल्य, स्नेह, संरक्षण और सम्मान देते थे, प्रेरणा देते थे. उनका विश्वास अचल था, उनकी आस्था अडिग थी. उनका पारस स्पर्श पाकर अनेकानेक साधारण कोटि के व्यक्ति उच्च-महान् लक्ष्य से अनुप्राणित हुए और परिषद् के धर्मकार्य के लिए समर्पित हुए. **परिषद् का हर कार्य भगवत्सेवा है** — यह प्रथमेश-मंत्र परिषद् के कार्यकर्ताओं का संबल बन गया.

स्वप्नद्रष्टा, युगस्रष्टा प्रथमेश के सपने अभी अधूरे हैं. उनकी पूर्ति हमारे जीवन का व्रत होना चाहिए; इस उद्देश्य से 'प्रथमेश-स्मृति' में उनकी आशा-आकांक्षा सहेजने का प्रयास किया है. परिषद्-पिता प्रथमेश के चरणों में अबोध शिशुओं द्वारा समर्पित यह श्रद्धा-सुमन है.

'प्रथमेश-स्मृति' को व्यापक बनाने की इच्छा थी किन्तु न तो उनके बिखरे लेखन को समेटा जा सका और न उनके वचनामृत के पचासों केसेट्स का लिप्यंकन किया जा सका. फिर भी आधा-अधूरा प्रयास, फूल की जगह फूल की पंखुडी, इस भावना से समर्पित है कि उनकी कृपा से न्यून भी सम्पूर्णता पा जाता है. वे परम उदार जो है. प्रथमेश-स्मृति एक विनम्र श्रद्धांजलि मात्र है; प्रथमेशजी के व्यक्तित्व-कृतित्व का मूल्यांकन नहीं. उनके बहुआयामी व्यक्तित्व-कृतित्व के मूल्यांकन का प्रयास आकाश को बाहों में समेटने के समान असफल ही होता. यह परिषद् पिता प्रथमेश को परिषद् की विनम्र भावांजली है.

आभार :

सभी ने अपने श्रद्धा-सुमन समर्पित किये हैं, अत: किसे आभार दें किन्तु यह सच है कि यदि श्रद्धालुजनों की रचनाएं तथा उनके द्वारा प्रेषित चित्र नहीं होते तो यह प्रयास संभव ही नहीं हो पाता. यह जिस रूप में भी है , उन्हीं के सहयोग का सुफल है, वित्त सहयोगी इसके प्रकाशन की रीढ़ है. उन्होंने प्रकाशन को साकार करने में योगदान दिया है. सभी का आभार ग्रंथ के मुद्रण-प्रबंधन का सम्पूर्ण श्रेय श्री चन्द्रहास भाई दलाल

की है. पाण्डुलिपि तैयार करने में सर्वश्री सनतकुमार द्विवेदी, अरूण कुमार शुक्ल, जयन्त जोशी, डॉ विनोद दीक्षित का सहयोग महत्वपूर्ण रहा. प्रो. सुरेन्द्र यादव चित्र-सज्जा में समर्थ सहयोगी रहे. रेखा सिंघल तो अथ से इति तक दायित्व संवहन करती रहीं. इन आत्मीयजनों को क्या धन्यवाद दूं, इन्हें अपने श्रम की सफलता इस ग्रंथ के प्रकाशन में प्रत्यक्ष दिखलाई दे रही है.

ग्रंथ अनेक बार पूरा हुआ लेकिन श्रद्धालुजनों की रचनाएँ देर -अबेर बारम्बार प्राप्त होती रहीं. हर बार योजना गड़बड़ाती गई और विलम्ब होता ही गया. अन्ततः निश्चय करना पड़ा कि विलम्ब से प्राप्त रचनाओं को अब छोड़ दिया जाये तब जाकर ग्रंथ प्रकाशित हो पाया.

विनम्र

डॉ. गजानन शर्मा

ग्रंथ-सम्पादक एवं कार्यकारी अध्यक्ष

अन्तर्राष्ट्रीय पुष्टिमार्गीय वैष्णव परिषद्

३२, शिक्षक नगर,
एरोड्रम रोड़, इन्दौर (म.प्र.)
पिन कोड - ४५२००५
दूरभाष - ४१००८७

⁂

प्राकथन

अन्तर्राष्ट्रीय पुष्टिमार्गीय वैष्णव परिषद् ने परिषद् पिता गोस्वामी प्रथमेशजी की पावन स्मृति में एक स्मृति ग्रंथ प्रकाशित करने का निर्णय दिनांक ३.३.९० को लिया था। तदनुसार तत्कालीन अध्यक्ष श्री नटवरभाई हरगोविन्द शाह के मार्गदर्शन में कार्य आरंभ कर दिया था। कतिपय अप्रत्याशीत कठिनाईयों के कारण ग्रंथ प्रकाशन में विलम्ब होता गया। सामग्री भी काफी विलम्ब से और अनेक काल खण्डों में प्राप्त होती रही जिसके कारण योजना में अनेक बार परिवर्तन करना पड़े। अब भदवद्कृपा से यह पावन स्मृति ग्रंथ वैष्णव जगत के सन्मुख प्रस्तुत हो रहा है। वैष्णव परिषद् अत्यन्त विनम्रता पूर्वक इस ग्रंथ के रूप में पू.पा.गो. प्रथमेशजी के श्री चरणों में अपनी श्रद्धांजली समर्पित करता है।

मनुभाई ठाकरसी
अध्यक्ष
एवं कार्यकारिणी के सदस्य

डॉ. गजानन शर्मा	-	कार्यकारी अध्यक्ष
इन्द्रकांतभाई शेठ	-	उपाध्यक्ष
ब्रजमोहनदास विजयवर्गीय	-	उपाध्यक्ष
श्यामदास (स्टीफन शेफर)	-	उपाध्यक्ष
कुमनदास झालानी	-	उपाध्यक्ष
मुकुन्दभाई शाह	-	प्रधानमंत्री
वी.पी. पारेख	-	संगठन मंत्री
पं. द्वारकाप्रसाद पाटोदिया	-	प्रचार प्रमुख
चंद्रहास दलाल	-	मंत्री
अमृतभाई डोसी	-	मंत्री
डॉ. विनोद दीक्षित	-	मंत्री
रमणलाल शाह	-	कोषाध्यक्ष
जितेन्द्रभाई शाह	-	सह-कोषाध्यक्ष
चिमनभाई सेठ	-	सदस्य
मनहरभाई श्रॉफ	-	सदस्य
प्रद्युमम्नजी शास्त्री	-	सदस्य
हसमुखभाई खख्खर	-	सदस्य
मदनलाल नागर	-	सदस्य
कृष्णकांत बागला	-	सदस्य
श्री नटवरभाई शाह	-	तत्कालीन अध्यक्ष
श्री निरंजन शास्त्री	-	तत्कालीन सदस्य
श्री कमलनयनजी भाटिया	-	तत्कालीन सदस्य
श्री मदनदासजी मोहता	-	तत्कालीन सदस्य

——::——
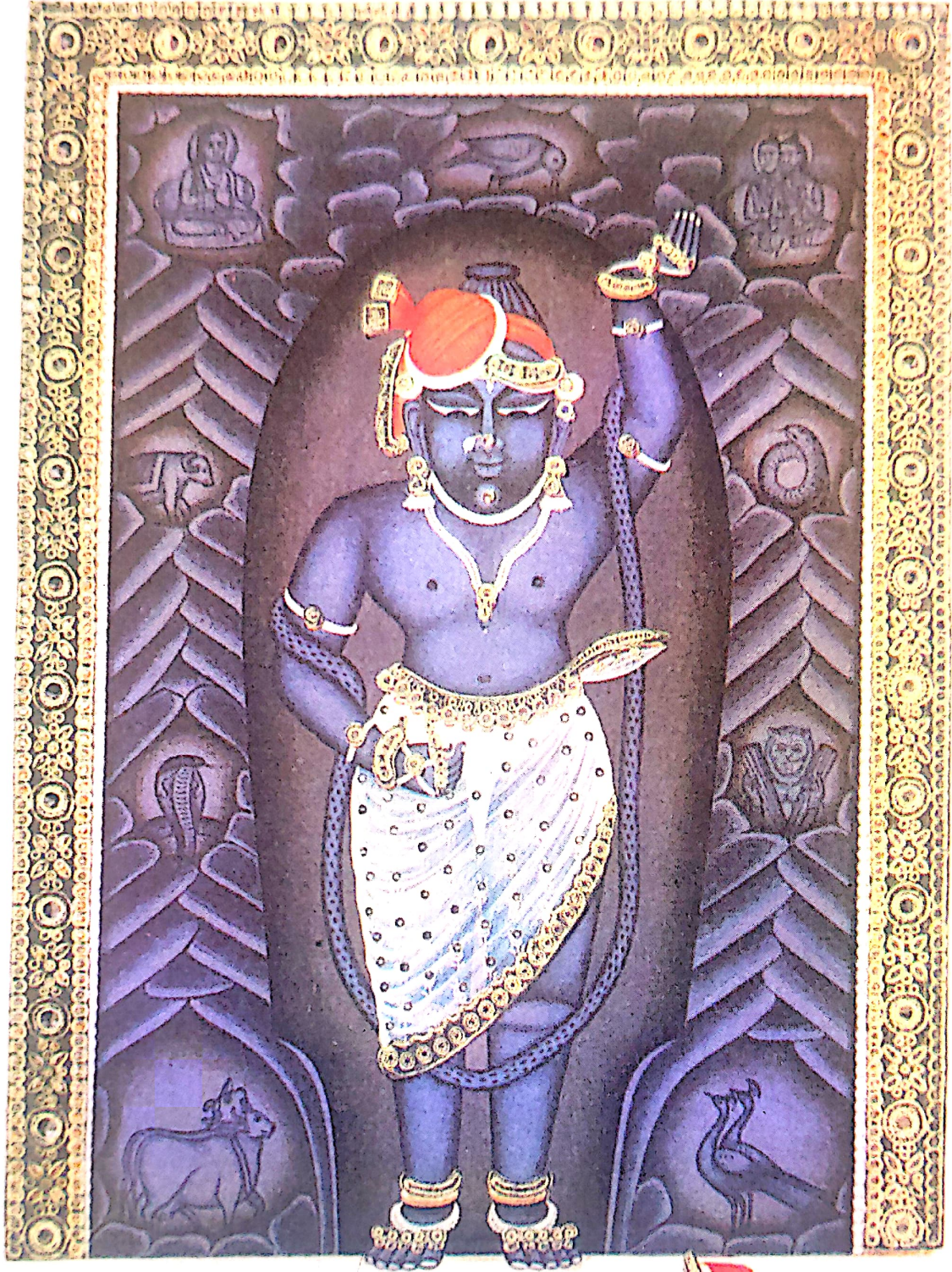
पुष्टिमार्ग के परमाराध्य

श्रीनाथजी

श्री नवीनचन्द्र रणछोड़लाल शाह

मार्फत - श्री मुकुन्दभाई शाह, बम्बई

सदैन्य जयश्रीकृष्ण
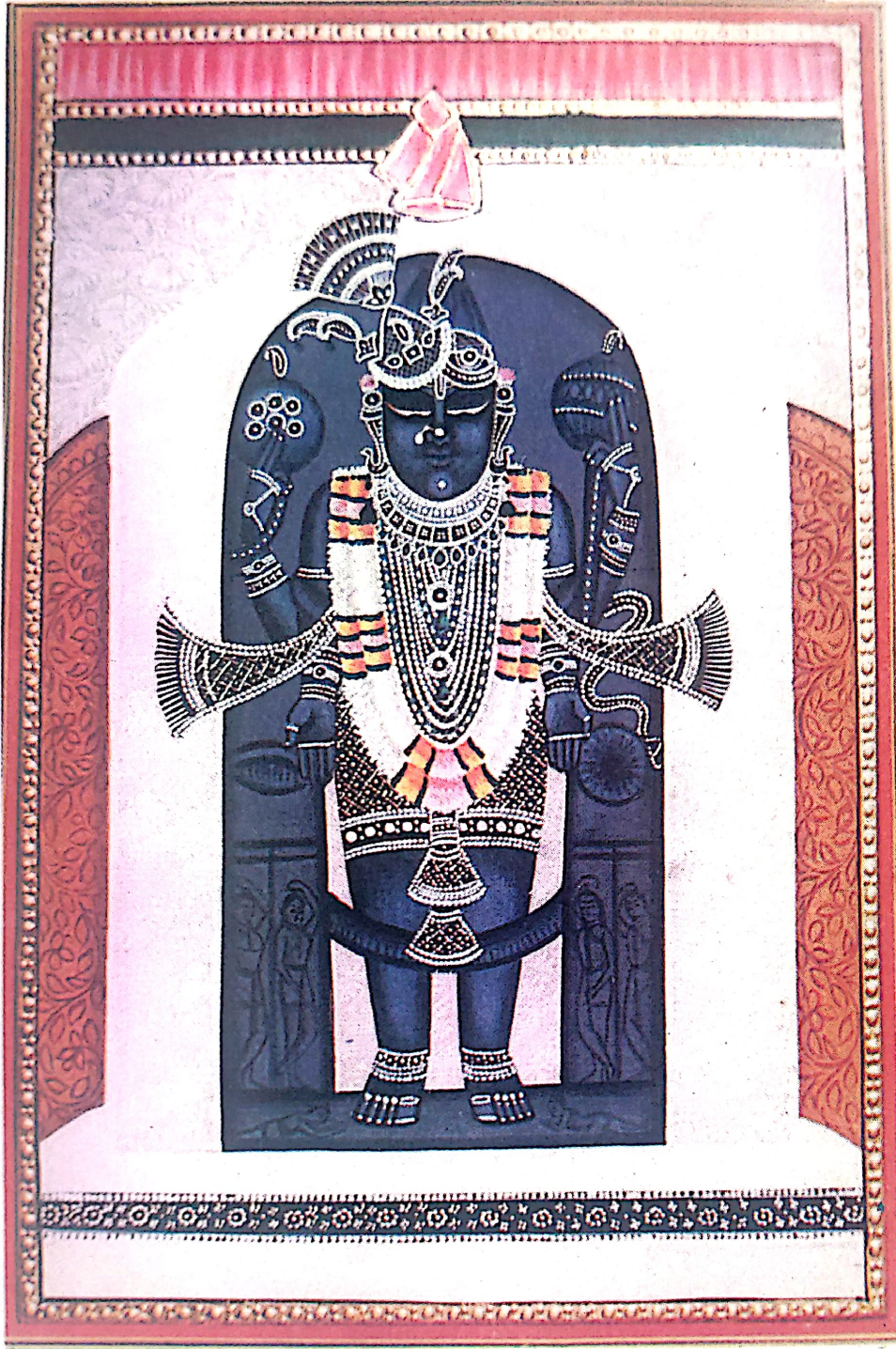
प्रथम गृह के सेव्य

श्री मथुराधीशजी

श्री हरिलाल हरिवल्लभदास परिवार

मार्फत - श्री इन्द्रकांतभाई, अहमदाबाद

सदैन्य जयश्रीकृष्ण
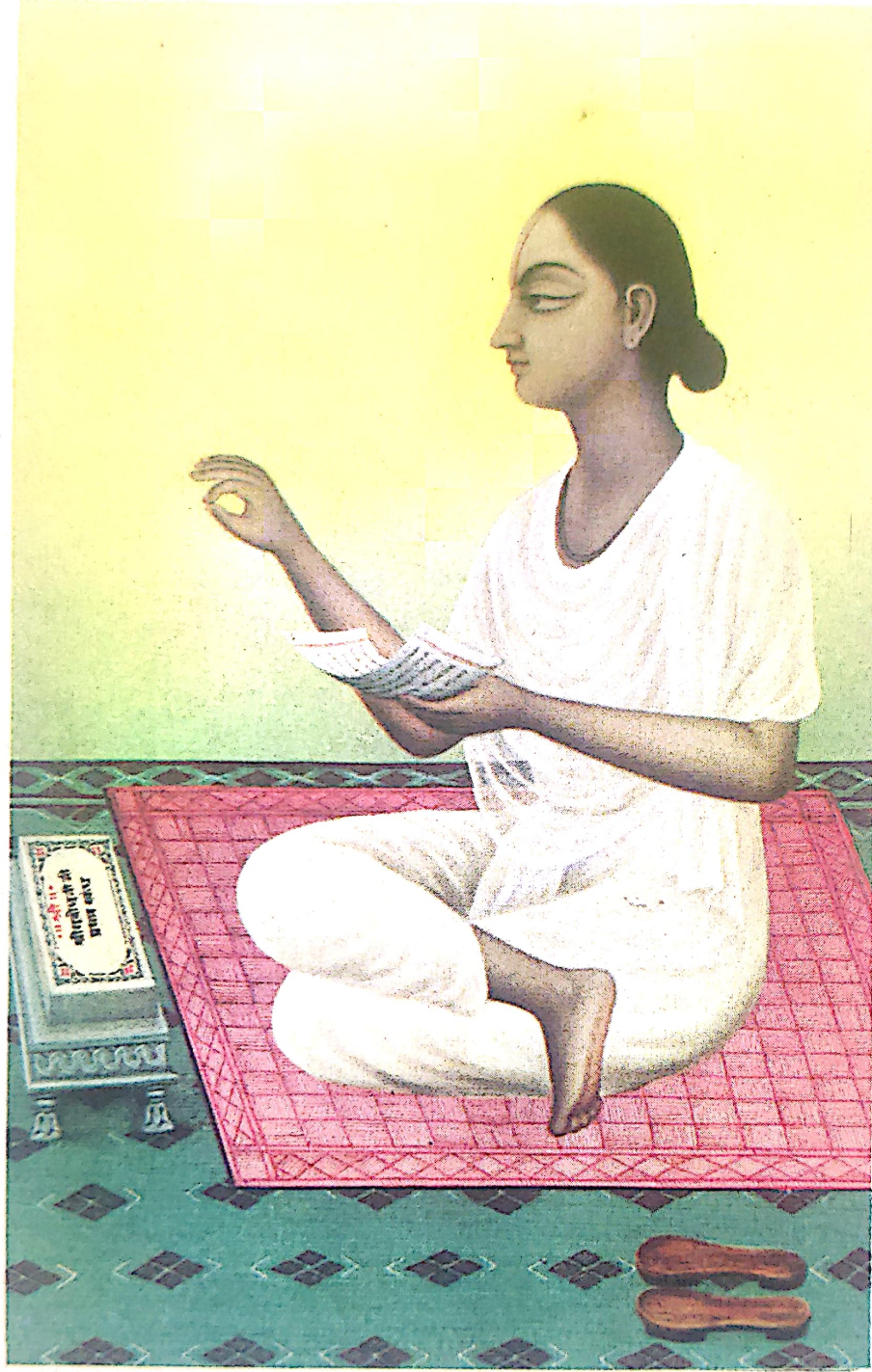
मूल पुरूष

महाप्रभु श्रीमद्वल्लभाचार्यजी

श्रीमती चुन्नीबेन हरगोविन्ददास उगरचन्द भगत चैरिटेबल ट्रस्ट, बम्बई

मार्फत - श्री नटवरभाई ह.शाह, बम्बई

सदैन्य जयश्रीकृष्ण

आदि पुरूष

गुंसाईजी श्री विट्ठलनाथजी

उधोदास मूंदड़ा सेवा संस्थान, कलकत्ता

सदैन्य जयश्रीकृष्ण

प्रथम गृह के आदि गृहाधिपति

गो. श्रीगिरीधरजी

हमारे चरितनायक

गो. श्री रनछोड़ाचार्यजी 'प्रथमेश'

गो. वा. जीवनदास मूंदड़ा

मार्फत - श्री ठाकुरदासजी मूंदड़ा, कलकत्ता

सदैन्य जयश्रीकृष्ण
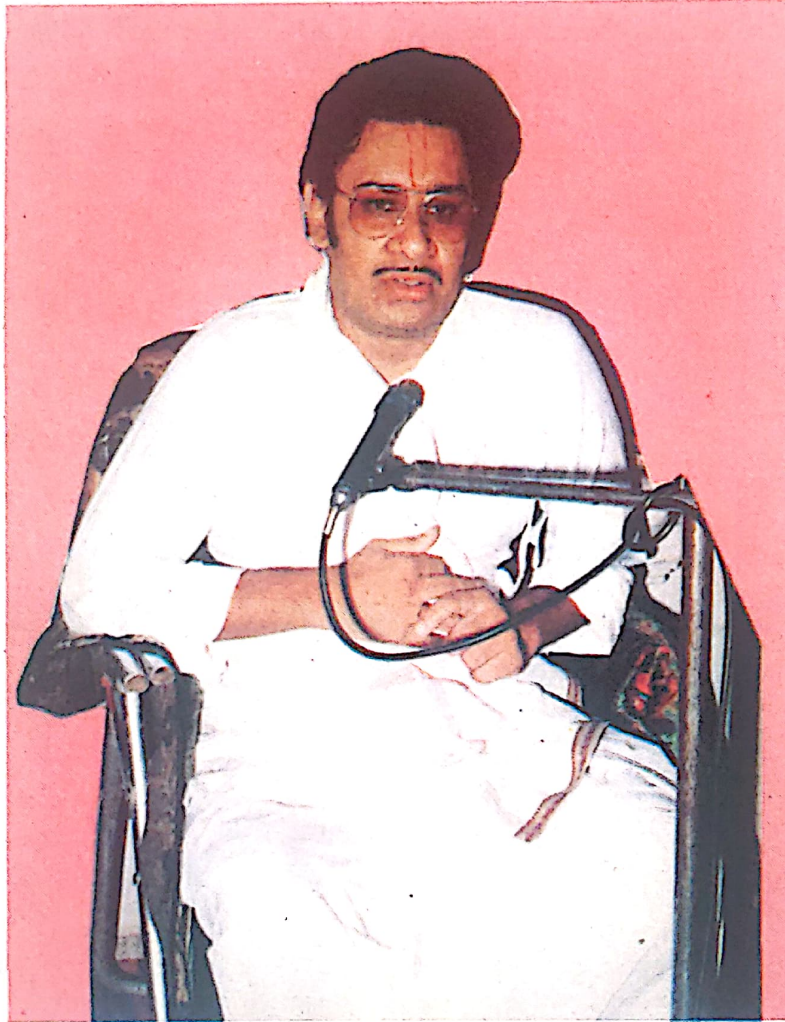
ग्रन्थ के संरक्षक

प्रथम गृहाधिपति

गो. विट्ठलनाथजी (लालमणीजी)

श्री वल्लभदास विट्ठलदास, पोरबन्दर

सदैन्य जयश्रीकृष्ण

ध्वज गीत

जय जय मंगलकारक जय है, जय है धर्म पताका।
जय जय वैष्णव नायक जय हे, जय हे पावन गाथा।
आकाश पे हम फहराएँगे, नीचे न कभी झुकने देंगे।
हो अमर शान इसकी जग में, इसके हेतु मिट जाएँगे।
जय वैष्णव नायक जय है, जय हे पावन गाथा॥१॥

श्री महाप्रभु और पुष्टिमार्ग के, ध्येय का विश्व रचाएँगे।
जिसमें गूंजे जय धर्म हमारा, ऐसा कर दिखलाएँगे॥
जय जन हितकारक जय हे भारत धर्म पताका॥२॥
जय हे! जय हे! जय हे!

गो. प्रथमेश

प्रथमेश स्मृति ग्रंथ के वित्त सहयोगी

इस ग्रंथ के प्रकाशन में अनेक प्रबुद्ध, धर्मपरायण, उदारमना महानुभावों ने वित्त सहयोग प्रदान किया है । उन सभी के प्रति हम हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं । इन सभी महानुभावों को सादर जयश्रीकृष्ण करते हुए आशा करते हैं कि धर्म सेवा में उनकी रुचि अधिकाधिक बढ़े और अन्य महानुभाव भी उनका अधिकाधिक अनुकरण करें ।

अति विशिष्ट सहयोग

	गुप्त दान	-	रु.	५०,०००

विशेष चित्र भेंट कर्ता

१.	श्री हरिलाल हरिवल्लभदास परिवार, अहमदाबाद हस्ते श्री इन्द्रकान्त भाई	-	रु.	५०००
२.	प. भ. श्री नवीनचन्द्र रणछोड़लाल शाह, बंबई हस्ते श्री मुकुन्द भाई शाह, बम्बई	-	रु.	५०००
३.	गो. वा. जीवनदासजी मूंदड़ा, कलकत्ता हस्ते श्री ठाकुरदास जी मूंदड़ा	-	रु.	५०००
४.	श्रीमती चुन्नीबेन हरगोविन्ददास उगरचंद भगत चेरिटेबल ट्रस्ट बम्बई हस्ते श्री नटवरभाई शाह	-	रु.	५०००
५.	उधोदास मूंदड़ा सेवा संस्थान, कलकत्ता	-	रु.	५०००

चित्र भेंट कर्ता

१.	श्री वल्लभदास विठ्ठलदास, पोरबंदर	-	रु.	२५००
२.	श्री बृजमोहन दास विजयवर्गीय	-	रु.	२५००
३.	श्री हरकिसन दास मेघजी भाई शाह	-	रु.	२५००

विशेष पृष्ठ सहयोगी

१.	श्रीमती शांति सी. रहेजा, बंबई	-	रु.	१००१
२.	श्रीमती लन्दनबाला वेन, लन्दन	-	रु.	१००१

३.	श्री अश्विन भाई कोठारी, बंबई	-	रु.	१००१
४.	श्रीमती देवीबाई खट्टर, फरीदाबाद	-	रु.	१००१
५.	श्रीमती सावित्री बेन नागपाल, बंबई	-	रु.	१००१
६.	श्री नंदलाल सदारंगानी, बंबई	-	रु.	१००१
७.	श्री मधुरकांत दावड़ा, कोलापुर	-	रु.	१००१
८.	श्री मदनलाल अग्रवाल, ग्वालियर	-	रु.	१००१
६.	श्रीमती हेमा बेन दरीरा, बंबई	-	रु.	१००१
१०.	शुभाकांक्षी वैष्णव, बंबई ह. अस्मिता बेन	-	रु.	१००१
११.	श्रीमती हर्षाबेन करांचीवाला, बंबई	-	रु.	१००१
१२.	श्रीमती उमाबाई कर्वा, कलकत्ता	-	रु.	१००१
१३.	श्रीमती कुंदनबेन नटवरलाल पारिख़, बोड़ेली	-	रु.	१००१
१४.	श्री यमुना मण्डल, बोड़ेली	-	रु.	१००१
१५.	श्री रमेशचन्द्र उच्छवलाल, बोड़ेली	-	रु.	१००१
१६.	श्री एम. डी. अमीन, बड़ोदा	-	रु.	१००१
१७.	श्रीमती जमनाबेन झवेरी, बंबई	-	रु.	१००१
१८.	शुभाकांक्षी, बड़ोदा	-	रु.	१००१
१६.	श्रीमती नीलाबेन किरण भाई पटेल, बड़ोदा	-	रु.	१००१
२०.	श्रीमती गंगाबेन कोटेचा, लन्दन	-	रु.	१००१
२१.	श्री भरोसीलाल मित्तल, आग्रा	-	रु.	१००१
२२.	पं. रमेश उपमन्यु शास्त्री, मथुरा	-	रु.	१००१
२३.	श्री कन्हैयालाल चावला, दिल्ली	-	रु.	१००१
२४.	श्री रमणलाल वाडीलाल शाह, बम्बई	-	रु.	१००१
२५.	श्री कुमनदास झालानी, इन्दौर	-	रु.	१००१
२६.	एक सन्निष्ठ वैष्णव, विलेपार्ले	-	रु.	१००१
२७.	श्री बद्रीलाल चौधरी, मोहन बड़ोदिया (म.प्र.)	-	रु.	१००१
२८.	श्री मूलचंदजी रुठिया, सिहोर	-	रु.	१००१
२६.	एक सन्निष्ठ वैष्णव, कलकत्ता मार्फत श्री ठाकुरदास मूंदड़ा	-	रु.	१००१
३०.	एक सन्निष्ठ वैष्णव, कलकत्ता मार्फत श्री ठाकुरदास मूंदड़ा	-	रु.	१००१

३१.	श्री मूलचंदजी रूठिया, सिहोर	-	रु.	१०००
३२.	श्री विट्ठलदास वी. काराणी, बम्बई	-	रु.	१०००
३३.	श्री शांतिलाल जमुनादास परिवार	-	रु.	१०००
	हस्ते महेशभाई पारिख, बम्बई	-	रु.	१०००
३४.	सौ. शारदा भीमवाल, इन्दौर	-	रु.	१०००

पृष्ठ सहयोगी

१.	श्री विनोद दीक्षित, गोवर्धन - मथुरा	-	रु.	५०१
२.	श्री सूरजमल सोनी छाबड़ा वाला, कोटा	-	रु.	५०१
३.	श्री रतिभाई रावजी भाई अमीन , जरापुर	-	रु.	५०१
४.	श्री दुष्यन्त भाई दादू भाई अमीन, बड़ोदा	-	रु.	५०१
५.	श्री अ. पु. वैष्णव परिषद्, मनोहर थाना, झालावाड़	-	रु.	५०१
६.	पुष्टि श्री महिला परिषद्, कोटा	-	रु.	५०१
७.	श्री भगवानदास सन्स, कोटा	-	रु.	५०१
८.	श्री नाथालाल पुरुषोत्तमदास, कोटा	-	रु.	५०१
६.	अ. पु. वैष्णव परिषद्, कोटा	-	रु.	५०१
१०.	श्री प्रदीपकुमार शर्मा, मथुरा	-	रु.	५०१
११.	मे. मीनाक्षी उद्योग, आग्रा	-	रु.	५०१
१२.	श्री अमृतलाल दोषी, मडगांव, गोवा	-	रु.	५०१
१३.	श्रीमती भागी बेन पंजाबी, बंबई	-	रु.	५०१
१४.	श्री मधुकांत दावड़ा, कोलापुर	-	रु.	५०१
१५.	श्री गंगादासजी मुखिया, नाथद्वारा	-	रु.	५०१
१६.	श्रीमती सुभद्रा जे. पोपट, बंबई	-	रु.	५०१
१७.	श्री रणछोड़ दास चतुर्भुज जस्साणी, बंबई	-	रु.	५०१
१८.	श्री कृष्णगोपाल शर्मा, मुरैना	-	रु.	५०१
१६.	श्रीमती प्रभाबेन जे. कढ़ी, बंबई	-	रु.	५०१
२०.	श्रीमती जगजीत प्रभा मधुभाई पटेल, बड़ोदा	-	रु.	५०१
२१.	सखी मंडल, बोडेली	-	रु.	५०१
२२.	श्री रमणलाल एच. शाह, बोडेली	-	रु.	५०१
२३.	श्री रामचन्द्र रामगोपाल कोठारी, आकोला	-	रु.	५०१

२४.	श्री रामगोपाल लखोटिया, रुपनगढ़ - मनोहर थाना	-	रु.	५०१
२५.	श्री प्रफुल्लचन्द्र जमनादास, बड़ोदा	-	रु.	५०१
२६.	श्रीमती चंचलबेन मगनलाल, धर्मज	-	रु.	५०१
२७.	श्री वल्लभभाई जवेरी, बंबई	-	रु.	५०१
२८.	श्री प्रभुलाल अग्रवाल, मोहन बड़ोदिया	-	रु.	५०१
२९.	डॉ. गजानन शर्मा, धार	-	रु.	५०१
३०.	प्रो. रेखा राधाकिशनजी सिंघल, धार	-	रु.	५०१
३१.	श्री चंद्रहास गेंदालालजी दलाल, खण्डवा	-	रु.	५०१
३२.	महिला मंडल, मोहन बड़ोदिया	-	रु.	५०१
३३.	श्री मोहनलालजी अग्रवाल, मोहन बड़ोदिया	-	रु.	५०१
३४.	श्री मुरलीधरजी केला, मोहन बड़ोदिया	-	रु.	५०१
३५.	श्री श्यामदासजी (स्टीफनशेफर) अमरिका	-	रु.	५०१
३६.	श्री छोटालाल जीवराज मेहता, बम्बई	-	रु.	५०१

भावांजलि सहयोग राशि

१.	श्री महेन्द्रभाई गांधी पेट्रोल पम्प वाला, राजपिपला (गुजरात)	-	रु.	२५१
२.	श्री ठाकुरभाई एम. शाह, डाकोर	-	रु.	२५१
३.	श्रीमती मणिबेन रेवनदास पटेल, आएन्द, गुजरात	-	रु.	२५१
४.	श्रीमती कमलाबेन एन. पाल. थानगढ़, गुजरात	-	रु.	२५१
५.	श्रीमती मुक्ताबेन भालचन्द्र, मुकुन्दरया - बड़नगर, गुजरात	-	रु.	२५१
६.	अ. पु. वैष्णव परिषद्, थानगढ़	-	रु.	२५१
७.	श्री मदनदास मोहता, कोटा	-	रु.	२५१
८.	श्रीनाथ राजवेद, कोटा	-	रु.	२५१
९.	श्रीमती रामकुंवर बाई, कोटा	-	रु.	२५१
१०.	अ. पु. वै. परिषद्, मण्डवारा, कोटा	-	रु.	२५१
११.	श्रीमती नर्मदा देवी राधेश्याम पटोदिया, किशनगढ़	-	रु.	२५१
१२.	श्री मधूसूदन दास गोविन्ददास, कोटा	-	रु.	२५१
१३.	श्री कृष्ण गोपाल मित्तल, गोवर्धन-मथुरा	-	रु.	२५१
१४.	श्री वृजेश कुमार सोनी, गोवर्धन-मथुरा	-	रु.	२५१

१५.	श्री महेशचंद्र गर्ग, गोवर्धन-मथुरा	-	रु.	२५१
१६.	श्री छोटेलाल श्रीनाथ प्रसाद, गोवर्धन-मथुरा	-	रु.	२५१
१७.	श्री राधेलाल बंसल, गोवर्धन-मथुरा	-	रु.	२५१
१८.	श्री शिवचरणलाल लक्ष्मीनारायण बजाज, गोवर्धन-मथुरा	-	रु.	२५१
१६.	श्री रमेश चन्द्र खण्डेलवाल, गोवर्धन-मथुरा	-	रु.	२५१
२०.	श्री श्यामलाल मदनलाल खण्डेलवाल, गोवर्धन-मथुरा	-	रु.	२५१
२१.	श्री सी. एन. रहेजा, बंबई	-	रु.	२५१
२२.	श्रीमती निर्मला त्यागन, फरीदाबाद	-	रु.	२५१
२३.	श्रीमती देवीबाई खट्टर, फरीदाबाद	-	रु.	२५१
२४.	श्रीमती निर्मलाबाई छाबरिया, बंबई	-	रु.	२५१
२५.	श्रीमती शान्तिबेन, छाबरिया, बंबई	-	रु.	२५१
२६.	श्रीमती पुष्पाबेन, छाबरिया, बंबई	-	रु.	२५१
२७.	श्रीमती रानीबेन, बंबई	-	रु.	२५१
२८.	श्री दामोदरदास मेहता, बीकानेर	-	रु.	२५१
२६.	श्रीमती पुष्पाबेन,	-	रु.	२५१
३०.	श्री जगमोहनदास शाह, पंचमहाल	-	रु.	२५१
३१.	श्रीमती प्रमिला बेन गांधी, बोडेली	-	रु.	२५१
३२.	श्री जुगल किशोर धुरका, आकोला	-	रु.	२५१
३३.	श्री राम बाबूजी विन्ताणी, आकोला	-	रु.	२५१
३४.	श्रीमती कमलाबेन वाधवा, दिल्ली	-	रु.	२५१
३५.	श्री सूरज एन. मनचन्द्रा, बंबई	-	रु.	२५१
३६.	श्री हेमन्त हे. माठा, बंबई	-	रु.	२५१
३७.	श्री आसकरण चावला, बंबई	-	रु.	२५१
३८.	श्री मणिबेन पटेल, धर्मज	-	रु.	२५१
३६.	श्री महेशचन्द्र सुगन्धी, राज पिपला	-	रु.	२५१
४०.	श्री ठाकोर भाई, डाकोर	-	रु.	२५१
४१.	अ. पु. वै. परिषद्, मोडासा शाखा	-	रु.	२५१
४२.	श्री बालकृष्णजी माहेश्वरी, सागर	-	रु.	२५१
४३.	श्री रतनलालजी जमनादासजी, नाथद्वारा	-	रु.	२५१
४४.	श्री रामचन्द्रजी सराफ, हरदा	-	रु.	२५१

४५.	प्रो. एल. आर. शर्मा (सौ. उमादेवी) आकोला	-	रु.	२५१
४६.	सौ. सूरजबाई भगवानदास बंसल, खंडवा	-	रु.	२५१
४७.	श्री मनोहर भाई एन. श्राफ, बम्बई	-	रु.	२५१
४८.	श्रीमती रति एस. मुखिया, बम्बई	-	रु.	२५१

प्रकाशन सेवा सहयोगी

१.	श्रीमती गीता बेन दलाल, बंबई	-	रु.	१६०१
२.	अ. पु. वै. परिषद् फरीदाबाद शाखा	-	रु.	१५०१
३.	श्री संतदास पटेल, बड़ौदा	-	रु.	३०१
४.	अ. पु. वै. परिषद्, घोराजी शाखा	-	रु.	३०१
५.	श्री वैष्णव समाज, सिखोई	-	रु.	२०१
६.	श्रीमती पुष्पाबेन, बंबई	-	रु.	२०१
७.	श्री गोपाल नागपाल, बंबई	-	रु.	१०१
८.	श्री कृष्णदास, ग्वालियर	-	रु.	१०१
६.	श्रीमती ज्योतिबेन, बंबई	-	रु.	१०१
१०.	अयोध्याबेन भावसार, खण्डवा	-	रु.	१०१

निवेदन :-- कार्यालयीन जानकारी के अनुसार समस्त दानदाताओं का नाम दे दिया गया है किन्तु किन्हीं कारणों से किन्हीं नामों का समावेश न हुआ हो तो कृपया वे वैष्णव सह्रदय क्षमा करेंगे, ऐसी अपेक्षा है ।

आह्वान

प्रथमेश के सपनों की परिषद्

धरती पर नहीं उतरेगी

जब तक कि

उन सपनों को

अेक आंदोलन का

रूप नहीं देंगे हम,

और

आंदोलन की सफलता

संकल्प में अन्तर्निहित होती है।

समय आ गया है!!!

उठो! जागो!!

प्रथमेश के सपनों को

साकार करो।

–परिषद् जन

अध्याय क्रम